राज्य् सभा

अतारांकित प्रश्नस संख्य्2053

16 दिसम्बनर्2015 को उत्तपर के लिए

इस्पात की मांग में कमी

2053. श्री राजीव शुक्ल:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गत एक वर्ष के दौरान इस्पात की घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग कम हुई है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) इस्पात उद्योग को मांग में कमी की मार से बचाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तगर

इस्पाततऔर खान राज्यो मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): वर्ष 2013 और 2014 के दौरान विश्व और भारत में फिनिश्ड इस्पा ीत का स्प ष्ट उपयोग अथवा इस्पातत खपत (इस्पागत मांग की प्रतिनिधि वस्तु) के आंकड़े, जैसा कि विश्वप इस्पासत संघ द्वारा जारी किये गये हैं, नीचे तालिका में दिये गये हैं जो गत एक वर्ष में विश्वर अथवा भारत में किसी प्रकार की गिरावट को इंगित नहीं करते हैं। विश्व के संबंध में आंकड़े विश्वे इस्पा ेत संघ (डब्यूैसा एसए) जैसी विश्वि स्त्रीय एजेंसियों द्वारा कलेण्डेर वर्ष आधार पर सूचित किये जाते हैं।

वर्ष	फिनिश्डो इस्पा ेत का स्पषष्टस उपयोग (मिलियन टन)	
	विश्व्	भारत
2013	1532	74
2014	1543	76
स्रोत: विश्वप इस्पासत संघ (डब्यूोग एसए)		

वर्ष 2014-15 और 2015-16 (अप्रैल-नवम्ब र) के दौरान फिनिश्ड इस्पासत (अलॉस्नॉन अलॉय) की खपत नीचे तालिका में दी गई है :-

वर्ष	पूर्ण फिनिश्डा इस्पा त की खपत (अलॉस्नॉन अलॉय) (एमटी)
2014-15	76.99
2015-16*(अप्रैल-नवम्बूर)	52.25
2014-15 (अप्रैल-नवम्बूर)	49.61
स्रोत: संयुक्तस संयंत्र समिति (जेपीसी)*अनंतिम	

उपरोक्ति तालिका से यह अवलोकन किया जा सकता है कि गत एक वर्ष अथवा चालू वर्ष में भारत में इस्पाहत की मांग में गिरावट नहीं हुई है।

(ख) और (ग): उपरोक्त (क) के मद्देनजर प्रश्न् नहीं उठता।

***